क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 70, गुरुवार, 04 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

वायनाड में कल नामांकन पत्र दाखिल करेंगे राहुल गांधी, प्रियंका भी रहेंगी मौजूद

नेशनल डेस्क। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से चार अप्रैल को सुबह 11 बजे अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नीतला ने यह जानकारी दी।राहुल गांधी इसके अलावा अपनी परंपरागत सीट अमेठी से भी चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि नामांकन पत्र भरने के दौरान राहुल गांधी के साथ उनकी बहन और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिये कांग्रेस की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद रह सकती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष अपना नामांकन पत्र भरने के लिये यहां से हेलीकॉप्टर से वायनाड जाएंगे। चेन्नीतला ने संवाददाताओं से कहा कि नामांकन पत्र भरने से पहले कल एक रोड शो होगा जिसमें सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। मुकुल वासनिक, के. सी. वेणुगोपाल, मुस्लापली रामचन्द्रन और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता के. कुन्हालीकुट्टी इस आयोजन की तैयारियों के लिए कोझिकोड में मौजूद हैं। राहुल गांधी की यात्रा को लेकर कोझिकोड और वायनाड में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष बुधवार शाम साढ़े आठ बजे आएंगे। वह अतिथिगृह में रूकेंगे और सुबह वायनाड के लिए निकलेंगे। समय और बाकी बातें अभी तय होनी हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से वह अधिक जानकारी नहीं दे सकते हैं। कांग्रेस ने रविवार को घोषणा की थी कि राहुल गांधी अपनी परंपरागत सीट अमेठी के अलावा केरल में वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ेंगे।

ममता का मोदी पर पलटवार, बताया 'एक्सपायरी बाबू'

दिनहाटा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें 'एक्सपायरी बाबू'करार दिया। साथ ही ममता ने प्रधानमंत्री द्वारा उन पर राज्य के विकास पथ का'गतिअवरोधक'होने को लेकर लगाये गए आरोप पर कड़ा प्रतिवाद किया। कूच बिहार जिले में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में उनकी सरकार ने लोगों के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किये हैं। उन्होंने कहा कि उनके शासन में बंगाल में किसानों की आय में तीन गुना वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री मोदी का'एक्सपायरी बाबू'और'एक्सपायरी पीएम'के रूप में मजाक उड़ाते हुए ममता बनर्जी ने उन्हें टीवी पर या जनसभा में खुली बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा' मैं मोदी नहीं हूं, मैं झूठ नहीं बोलती'। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में टीएमसी के कार्यों को लेकर झूठ बोला है। उन्होंने दावा किया कि मोदी के शासन में देश में 12,000 किसानों ने खुदकुशी की। तृणमूल सुप्रीमो का यह पलटवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सिलीगुड़ी और कोलकाता में भाजपा की रैली के दौरान किए गए हमलों के बाद आया है।

लोकसभा चुनाव-2019

ममता बनर्जी के गढ़ में बोले मोदी, बंगाल के विकास में दीदी बनी स्पीड ब्रेकर

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को प्रदेश के विकास की राह में 'स्पीड-ब्रेकर' बताया और कहा कि बालाकोट कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के इस्लामाबाद और रावलपिंडी में दर्द होना चाहिए था लेकिन यह दर्द दीदी के कोलकाता में हो गया। मोदी ने बुधवार को यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल विकास की दौड़ में अन्य राज्यों से पिछड़ गया है और वह राज्य के विकास के लिए इस 'स्पीडब्रेकर' को हटाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने चिट फंड के माध्यम से यहां के गरीब लोगों को लूटा है। ममता बनर्जी की नाव डूब रही है, तृणमूल कांग्रेस सरकार राज्य के 70 लाख किसानों के उत्थान में बाधा बन रही है और कम्युनिस्ट और तृणमूल कांग्रेस एक ही नाव में सवार हैं। ये सभी महामिलावटी इतनी जोर से रोए कि पाकिस्तान में वे हीरो बन गए, वह कैसा भारत चाहते हैं। दिल्ली में जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की रिमोट कंट्रोल सरकार सत्ता में थी तब अक्सर आतंकवादियों के हमले हुआ करते थे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने देश में गरीबों के लिए आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की है लेकिन दीदी राज्य के विकास की राह में 'स्पीड-ब्रेकर' बन गई है तथा 70 लाख से अधिक किसानों का स्तर ऊंचा उठाने में अड़चनें खड़ी की है तथा उन्होंने राज्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना पर भी रोक लगा रखी है। कांग्रेस ने कल अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया है, जिसमें सशस्त्र बल विशेष शक्ति अधिनियम (अफस्पा) हटाने का उल्लेख किया गया। क्या उन्हें अपनी सेना पर भरोसा नहीं है। ममता बनर्जी को गरीबों की कोई इक्षचता नहीं है। वह गरीबों को लेकर ही राजनीति करती है तो काम कैसे करेंगी। अगर गरीबी खत्म हो गई तो उनकी राजनीति भी खत्म हो जाएगी। एक तरफ आपका चौकीदार है, दूसरी तरफ 'दागदार' हैं। आपका चायवाला चाय बागानों के कर्मियों के हित के प्रति पूरी तरह समर्पित है।'' पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रैलियों का अपना महत्व है क्योंकि एक तरफ जहां तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपना गढ़ बचाने में जुटी हैं वहीं भाजपा यहां अपना आधार बढ़ाने में पिछले कई महीनों से जुटी हुई है। राज्य की 42 सीटों पर लोकसभा के सभी सात चरणों में मतदान होना है। वर्ष 2014 के आम चुनाव में टीएमसी ने राज्य की 42 सीटों में से 34 पर विजय हासिल की थी।

पार्टी के समक्ष अपने इस गढ़ को बचाए रखने की बड़ी चुनौती है। पार्टी के कई बड़े नेता भी पिछले कुछ माह के दौरान भाजपा में शामिल हुए। भाजपा को पिछले चुनाव में राज्य में दो सीटें हासिल हुई थीं और वह अपना आधार बढ़ाने के लिए जी जान से जुटी है। भाजपा अध्यक्ष पश्चिम बंगाल में एक दौरा कर चुके हैं।

बेरोजगार 5 लाख युवाओं को 6 महीने के इंटर्नशिप के बदले 6,000 रुपये देगी सरकार

नई दिल्ली। चुनावों से पहले मोदी सरकार युवाओं को लुभाने के लिए बड़ी शुरुआत करने जा रही है। पहली बार किसी सरकारी योजना के तहत यूनिवर्सिटी और कॉलेजों से ग्रैजुएट 5 लाख युवाओं (नॉन टेक्निकल) को अलग-अलग सेक्टर में काम करने का मौका मिलेगा। जुलाई 2019 ने यह इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू होगा। मानव संसाधन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 1,533 नॉन टेक्निकल यूनिवर्सिटी और कॉलेजों से 9.25 लाख युवाओं ने अधिकतम 6 महीने के इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए नामांकन दाखिल किया है। स्कीम फॉर हायर एजुकेशन फॉर अप्रेंनटिशिप ऐंड स्किल्स के नाम से यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। नामांकन कराने की आखिरी तारीख 25 मार्च की थी। सरकार का अब तक का देश में सबसे बड़ा स्किल प्रोग्राम है। इसके तहत युवाओं को हर महीने 6,000 रुपये का स्टाइपन भी दिया जाएगा। इसके साथ ही सरकार प्रति महीने सिलेक्ट इसके साथ ही सरकार प्रति महीने सिलेक्ट इंटर्नशिप करनेवाले युवाओं को 1,500 रुपये रीइंबर्समेंट के तौर पर भी देगी।

श्रेयास प्रोग्राम के जरिए सरकार डिग्री कोर्स में दाखिला लेनेवाले छात्रों को शामिल कर रही है। इसका उद्देश्य नॉन टेक्निकल पढाई करनेवाले स्टूडेंट्स को उनके शैक्षिक कार्यक्रम के साथ रोजगारपरक हुनर देना भी है। इसके साथ ही सरकार के शैक्षिक पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाने की कोशिश भी है। श्रेयास कार्यक्रम को 3 मंत्रालयों के संयुक्त प्रयास से शुरू किया गया है।

वायनाड में राहुल को सिखाएंगे कि जमीन पर चुनाव कैसे लड़ा जाता है:वामदल

वायनाड (एजेंसी)। केरल की वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लडने के राहुल गांधी के निर्णय से नाखुश वामदलों ने बुधवार को कहा कि वे उन्हें सिखाएंगे कि 'जमीन पर चुनाव कैसे लड़ा जाता है।' हालांकि, कांग्रेस का कहना है कि राज्य में उसके अध्यक्ष की जीत को कुछ भी प्रभावित नहीं करेगा। राहुल बुधवार रात को कोझीकोड पहुंचेंगे। वह गुरुवार की सुबह साढे ग्यारह बजे कलपेट्टा में वायनाड जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना नामांकन भरेंगे। राहुल के वायनाड सीट से नामांकन पत्र भरने की पूर्व संध्या पर भाकपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'हम यह चुनाव जीतने के लिए लड़ेंगे।' केरल में वामपंथी दलों के गठबंधन वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने वायनाड संसदीय क्षेत्र से भाकपा के पी पी सुनीर को उतारा है। इस क्षेत्र में सात विधानसभा सीटें आती हैं जिसमें से वायनाड और मलपुरम जिलों की तीन तीन और कोझीकोड जिले की एक सीट शामिल है। भाकपा के वायनाड जिले के नेता विजयन चेरूकारा ने कहा कि एलडीएफ उम्मीदवार ने प्रचार के लगभग तीन चरण पूरे कर लिए हैं और वह करीब चार पांच लाख मतदाताओं से सीधे तौर पर जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि चौथे चरण में परिवारों से मिला जाएगा और यह दो दिन में शुरू होगा। वामदलों का मानना है कि क्षेत्र की जनता गांधी जैसे व्यक्ति को नहीं चुनेगी क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में व्यस्त कार्यक्रम के कारण उनके मुद्दों पर पूरी तरह से ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाएंगे। चेरूकारा ने कहा, 'राहुल गांधी अदृश्य भगवान की तरह हैं। उनके लिए अपने पारिवारिक गढ़ अमेठी (उत्तर प्रदेश) से जीतना आसान होगा। लेकिन वायनाड की धरती कुछ अलग है। हम उन्हें सिखाएंगे कि जमीन पर चुनाव कैसे लड़े जाते हैं।' उन्होंने कहा कि गांधी के केरल से चुनाव लडने के फैसले से कुछ वाम नेताओं का मनोबल गिरा है लेकिन 'हमारे कार्यकर्ता ज्यादा ऊर्जावान हैं और चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।' चेरूकारा ने कहा कि वाम कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और भाजपा की 'किसान विरोधी, आदिवासी विरोधी और अल्पसंख्यक विरोधी नीतियों' के खिलाफ जमीन पर अभियान शुरू किया है। हालांकि, कांग्रेस का कहना है कि वायनाड में 'राहुल गांधी के खिलाफ कुछ भी काम नहीं करेगा।' वायनाड जिला कांग्रेस महासचिव डी पी राजशेखरन ने कहा कि वायनाड से कांग्रेस की उम्मीदवारी ने राज्य में कांग्रेस नीत यूडीएफ के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भर दी है और उनकी उपस्थिति ही मोर्चे को राज्य की सभी 20 लोकसभा सीटें जीतने में मदद करेगी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और राज्य 'इंटक' प्रमुख आर चंद्रशेखरन ने कहा कि लोग विशेष रूप से किसान राज्य और केन्द्र सरकार की किसाना विरोधी और श्रम विरोधी नीतियों से नाराज हैं।

महबूबा और उमर पर भड़की शिवसेना, कहा- ऐसी आवाजों को दबाने की जरूरत

नेशनल डेस्क। शिवसेना ने कांग्रेस पर अपने शासनकाल में 'हिंदू आतंक' शब्द फैलने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे पाकिस्तानी आतंकवादियों को भारत में अपनी गतिविधियों को अंजाम देने का बढ़ावा मिला। पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 35-ए पर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला के रुख की भी आलोचना की और कहा कि अगर ऐसी आवाजों को दबाया नहीं गया तो सीमाई प्रदेश अशांति और अस्थिरता के शिकंजे में फंसा रहेगा। शिवसेना का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर शांतिप्रिय हिंदुओं को आतंकवाद से जोड़ कर उनका अपमान करने का आरोप लगाया था। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा कि भगवा आतंक अथवा हिंदू आतंक शब्द उस वक्त प्रचारित किया गया जब केन्द्र में कांग्रेस की सत्ता थी। समझौता एक्सप्रेस ट्रेन धमाका और मालेगांव बम विस्फोट मामले में आरोपों के अलावा इक्षहदुओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए। सामना में कहा गया कि (समझौता धमाका मामले में) स्वामी असीमानंद और (मालेगांव मामले में) साध्वी प्रज्ञा ठाकुर तथा लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित के खिलाफ घोर अन्याय हुआ। हिंदू आतंक शब्द के प्रसार ने पाकिस्तान के आतंकवादियों को बढ़ावा दिया। पाकिस्तानी आतंकी हमलों का ठीकरा हिंदू अतिवादियों पर फोड़ते हैं....अब एक अदालत ने स्वामी असीमानंद को बेगुनाह बताया है।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में राजनीतिक दलों पर चुनाव आयोग की मार, दर्ज की 112 एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बुधवार को बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए लगे आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों और अन्य के खिलाफ अब तक 112 प्राथमिकियां और रोजनामचा प्रविष्टियां हो चुकी हैं। राजनीतिक दलों की खर्च संबंधी गतिविधियों की निगरानी के लिए दिल्ली के मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा गठित की गई सांख्यिकी निगरानी टीम ने 1.21 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं। सीईओ कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर अब तक कुल 112 प्राथमिकियां या रोजनामचा प्रविष्टियां दर्ज की जा चुकी हैं।'' बयान में कहा गया, ''इनमें से 13 मामले आम आदमी पार्टी के खिलाफ, 11 भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ, तीन कांग्रेस के खिलाफ, एक बहुजन समाज पार्टी के खिलाफ और एक समाजवादी पार्टी के खिलाफ दर्ज की गई हैं, इनके अलावा 83 मामले अन्य व गैर राजनीतिक निकायों के खिलाफ दर्ज की गई है।'' दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रणबीर सिंह ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया था कि आचार संहिता के किसी भी प्रकार के उल्लंघन की जांच के लिए सोशल मीडिया की कड़ी निगरानी की जा रही है और इस संबंध में कई विशेषज्ञ चुनाव आयोग की टीम की मदद कर रहे हैं। दिल्ली सीईओ कार्यालय ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के लागू होने के बाद से अब तक 2.6 लाख से ज्यादा पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाए जा चुके हैं।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों ने कंपनियों की तोड़ी रीढ़: चिदंबरम

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व वित्तमंत्री पी. चिदंबरम ने बुधवार को केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि गलत नीतियों के कारण कंपनियों को दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। चिदंबरम ने कहा कि डिफॉल्टरों के बारे में उच्चतम न्यायालय के निर्णय से विपक्ष की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को जारी कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) से संबंधित हर मामले में एक ही तरीका अपनाने के भाजपा सरकार के रवैये की भी आलोचना की गयी है। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों ने इस्पात, बिजली और कोयला कंपनियों की रीढ़ तोड़ दी है। सरकार के गलत रुख ने इन कंपनियों को दिवाला एवं ऋणशोधन की प्रक्रिया से गुजरने पर मजबूर किया है। आज उच्चतम न्यायालय के निर्णय से हमें जीत मिली है। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक फैसले में रिजर्व बैंक के उस परिपत्र को रद्द कर दिया जिसमें कर्ज की किश्तें लौटाने में एक दिन की भी चूक पर कंपनी को दिवालिया घोषित करने का प्रावधान है।

'देशद्रोह' की धारा खत्म करने पर घिरी कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से मंगलवार को तमाम लोकलुभावने वादों की झड़ी लगाते हुए घोषणा पत्र जारी किया गया। घोषणा पत्र के कानून नियम और विनियमों की पुनर्परख वाले शीर्षक में पार्टी ने नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के नाम पर कई कानूनों और धाराओं को बदलने की बात कही है। इसमें सबसे ज्यादा विवादित मुद्दा देशद्रोह का है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124-ए को लेकर कांग्रेस का मानना है कि इसका बहुत दुरुपयोग किया जा रहा है। साथ ही नया कानून बन जाने के बाद इस धारा की महत्ता भी खत्म हो गई है। लिहाजा कांग्रेस सत्ता में आई तो इस धारा को खत्म करेगी। इसके अलावा धारा 499 में मानहानि को आपराधिक धारा से बदल कर दीवानी अपराध की श्रेणी में लाएगी। नागरिकों द्वारा सामान्यत: उल्लंघन किए जाने वाले कानूनों को गैर आपराधिक बना कर दीवानी के दायरे में लाया जाएगा। कांग्रेस ने पूर्वोत्तर राज्यों में सीआरपीएफ बलों में कटौती करने के साथ ही अफस्पा की समीक्षा की भी बात कही है।

थर्ड डिग्री तरीकों का उपयोग करने और अत्याचार, क्रूरता या आम पुलिस की ज्यादतियों के मामलों को रोकने के लिए अत्याचार निरोधक कानून बनाने का वादा किया है। पार्टी के विवादित वादों में 3 से 7 साल की सजा वाले अपराधों में विचाराधीन कैदियों और हवालातियों, जिन्होंने 3 से 6 महीने या उससे अधिक समय जेल में बिता दिया है, को उन्हें तुरंत रिहा करने का है। 121 परामर्श कार्यक्रम के जरिए कांग्रेस ने बनाया अपना जन घोषणा पत्र 24 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 60 से अधिक जगहों पर ये परामर्श कार्यक्रम हुए 53 परामर्श कार्यक्रम किसानों, उद्यमियों, अर्थशास्त्रियों, छात्रों, शिक्षकों, महिला समूहों, डॉक्टर, वकील तथा अन्य क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों, विद्वानों के साथ हुए 12 से अधिक देशों के अप्रवासी भारतीयों की भी राय इस घोषणा पत्र में शामिलअधिक देशों के अप्रवासी भारतीयों की भी राय इस घोषणा पत्र में शामिल ।

भारतीय नौसेना में शामिल होंगे अमेरिकी रोमियो, नहीं बच सकेंगे दुश्मन के जहाज और पनडुब्बियां

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने 2.4 अरब डॉलर की अनुमानित कीमत पर भारत को 24 बहुउपयोगी एचएच 60 'रोमियो' सी हॉक हेलीकॉप्टर की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। भारत को पिछले एक दशक से अधिक समय से इन हंटर हेलीकॉप्टर की आवश्यकता थी। ट्रम्प प्रशासन ने कांग्रेस में अधिसूचित किया कि उसने 24 एमएच-60आर बहु उपयोगी हेलीकॉप्टरों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। ये हेलीकॉप्टर भारतीय रक्षा बलों को सतह रोधी और पनडुब्बी रोधी युद्ध मिशन को सफलता से अंजाम देने में सक्षम बनाएंगे। विदेश मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना में कांग्रेस को बताया कि इस प्रस्तावित बिक्री की मदद से भारत एवं अमेरिका के सामरिक संबंधों को मजबूत करके अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उसने कहा कि इन हेलीकॉप्टरों की अनुमानित कीमत 2.4 अरब डॉलर होगी। इस बिक्री से उस बड़े रक्षा साझीदार की सुरक्षा स्थिति सुधरेगी जो हिंद प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता, शांति एवं आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण कारक रहा है। अधिसूचना के अनुसार इस बढ़ी क्षमता से क्षेत्रीय खतरों से निपटने में भारत को मदद मिलेगी और उसकी गृह सुरक्षा मजबूत होगी। भारत को इन हेलीकॉप्टरों को अपने सशस्त्र बलों में शामिल करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसमें कहा गया कि इस प्रस्तावित बिक्री से क्षेत्र में मूल सैन्य संतुलन नहीं बिगड़ेगा। रोमियो अमेरिका का सबसे एडवांस एंटी सबमरीन हेलीकॉप्टर माना जाता है। पनडुब्बियों पर इसका निशाना अचूक होता है। दुनिया के कुछ अन्य देशों के पास भी एंटी सबमरीन हेलीकॉप्टर हैं। एमएच 60 रोमियो सी-हॉक हेलीकॉप्टर अमेरिकी नेवी के बेड़े में शामिल है। इसे दुनिया के सबसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर के रूप में जाना जाता है। इस हेलीकॉप्टर को जहाज, युद्धपोत और विमान वाहक पोत से ऑपरेट किया जा सकता है। ये हेलीकॉप्टर समुद्र में तलाश एवं बचाव कार्यों में भी उपयोगी हैं।

ये हेलीकॉप्टर भारतीय नौसेना की मारक क्षमताओं को बढ़ाएंगे। हिंद महासागर में चीन के आक्रामक व्यवहार के मद्देनजर भारत के लिए ये हेलीकॉप्टर आवश्यक हैं।

संपादकीय

लोकतंत्र का प्रहसन

यह जानते हुए कि देश में आसन्न आम चुनाव के चलते आचार संहिता लागू है, राज्यपाल व मुख्यमंत्री जैसे पदों पर बैठे दिग्गज नेता आचार संहिता की सीमाओं का अतिक्रमण करें तो हैरत होती है। भाजपा के कद्दावर नेता रहे और वर्तमान में राजस्थान के राज्यपाल कल्याण सिंह अपने गृह जनपद अलीगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं से नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाये जाने का आह्वान करके मुसीबत में फंस गये हैं। दरअसल, कल्याण सिंह के पुत्र भी उत्तर प्रदेश की एटा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। कहीं न कहीं वे उनके पक्ष में मतों के ध्रुवीकरण की कोशिश करते नजर आये। लेकिन अब राजनीतिक दलों के विरोध के बाद चुनाव आयोग ने उनके बयान को गंभीरता से लिया है। निःसंदेह राज्यपाल का पद एक संवैधानिक पद है और उन्हें किसी राजनीतिक दल विशेष के पक्ष में खड़ा नहीं देखा जा सकता। राज्यपाल के पद को इस बयान से आंच आने की बाबत चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को पत्र लिखकर कार्रवाई करने को कहा है। लगता है मामला नब्बे के दशक में हिमाचल के राज्यपाल गुलशेर अहमद प्रकरण को दोहरा सकता है, जब उन्हें अपने पुत्र के लिये प्रचार करने पर आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। फिर उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

उन पर कार्यकर्ताओं से भाजपा प्रत्याशी को जिताने पर लाखों रुपये देने का वायदा करने का आरोप है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आचार संहिता के अतिक्रमण के आरोप भाजपा नेताओं पर ही क्यों लग रहे हैं? क्या ये सत्ता का दंभ है या चुनावी समर में फिसलने की चिंता।

यह विडंबना ही है कि आचार संहिता के उल्लंघन के ज्यादा मामले भाजपा नेताओं की तरफ से आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सेना को 'मोदी की सेना' कहे जाने वाले बयान पर खासा विवाद हुआ। चुनाव आयोग के सख्त निर्देश हैं कि राजनीतिक लाभ के लिये सेना के पराक्रम का उपयोग चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन माना जायेगा। पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल एल. रामदास ने इस बाबत चुनाव आयोग से शिकायत करने की बात कही है। वहीं बक्सर में चुनाव अधिकारी से बदसलूकी करने के मामले में केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे समेत भाजपा के 150 कार्यकर्ताओं पर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हुए थे। उन्हें अब इस मामले में अदालत से जमानत मिल गई है। इसी तरह महाराष्ट्र में भाजपा के सांगली जिला इकाई अध्यक्ष पृथ्वीराज देशमुख के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में चुनाव आयोग ने जांच शुरू की है। उन पर कार्यकर्ताओं से भाजपा प्रत्याशी को जिताने पर लाखों रुपये देने का वायदा करने का आरोप है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आचार संहिता के अतिक्रमण के आरोप भाजपा नेताओं पर ही क्यों लग रहे हैं? क्या ये सत्ता का दंभ है या चुनावी समर में फिसलने की चिंता।

अमेरिका की डिप्लोमेसी

मसूद अजहर/ रहीस सिंह

अजहर पर प्रतिबंध लगाने के लिए कारणों को देखें तो इन्हें कई बार दोहराया जा चुका है, लेकिन फिर भी चीन प्रस्ताव 1267 के तहत वस्तुनिष्ठता और उचित तरीके की बात करता है। तर्क देता है कि हम वस्तुनिष्ट और सही तरीके से तयों और कार्यवाही के महत्वपूर्ण नियमों पर आधारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति के तहत मुद्दे सूचीबद्ध करने पर ध्यान देते हैं, जिसकी स्थापना प्रस्ताव 1267 के तहत की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अजहर मसूद पर चौथी बार आए प्रस्ताव पर चीन द्वारा ''टेक्निकल होल्ड' लगा दिए जाने के बाद अमेरिका एक बार फिर से प्रस्ताव लाने जा रहा है। सवाल है कि इस कदम को किस रूप में देखा जाए? इस रूप में कि अमेरिका अजहर और उसकी भारत के खिलाफ होने वाली आतंकी हरकतों को लेकर बेहद बेचैन एवं खफा है? या इसलिए कि चीनी पाले में जा रहे पाकिस्तान को दंड देना चाहता है? अथवा इसलिए कि चीन को सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर शर्मसार करना चाहता है? या फिर इसलिए कि इस मुद्दे पर चीन के खिलाफ भारत को उकसाना चाहता है? इसी के साथ प्रश्न यह भी है कि वर्तमान समय में इस मुद्दे पर भारत को क्या करना चाहिए? क्या भारत अजहर पर अपनी चिंताओं को लेकर इस तरह प्रतिबद्ध हो जाए कि चीन के साथ स्थापित द्विपक्षीय संबंधों की बलि देकर भी अजहर की सूचीबद्धता के मसले पर अमेरिका के साथ खड़ा हो जाए या द्विपक्षीय संबंधों को बरकरार रखते हुए अमेरिका के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करे? सवाल यह भी है कि पांचवी बार किया जाने वाला यह प्रयास यूनएनएससी की आशा का प्रतीक है या निराशा का? जैश-ए-मुहम्मद के मुखिया अजहर मसूद को लेकर जो सूची प्रस्ताव लाया जा रहा है, उसका उद्देश्य उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करना है। संभव है कि चीन पुनः वीटो करे। तो क्या वास्तव में चीन अनभिज्ञ है कि अजहर अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी है? अजहर पर प्रतिबंध लगाने के लिए कारणों को देखें तो इन्हें कई बार दोहराया जा चुका है, लेकिन फिर भी चीन प्रस्ताव 1267 के तहत वस्तुनिष्ठता और उचित तरीके की बात करता है। तर्क देता है कि हम वस्तुनिष्ट और सही तरीके से तयों और कार्यवाही के महत्वपूर्ण नियमों पर आधारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति के तहत मुद्दे सूचीबद्ध करने पर ध्यान देते हैं, जिसकी स्थापना प्रस्ताव 1267 के तहत की गई थी। लेकिन यह तो दुनिया के साथ-साथ चीन भी जानता है कि जैश-ए-मुहम्मद 2001 में प्रतिबंधित कर दिया गया था, और यूएनएसी ने एक सूची में स्पष्ट किया था कि अजहर इस संगठन का फाउंडर एवं फाइनेंसर है। उसे अल कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन के साथ कार्य करने का दोषी भी माना गया है। 2001 के पश्चात जैश-ए-मुहम्मद और अजहर ने कई आतंकी हमलों की जिम्मेदारी ली है। इन दर्जनों आतंकी हमलों में से एक हमला पुलवामा में हुआ हमला भी है, जिसमें 14 फरवरी को सीआरपीएफ के काफिले को निशाना बनाया गया था। इसके बाद भी चीन प्रस्ताव 1267 के तहत अजहर की लिस्टिंग के लिए 4 बार वीटो कर चुका है, तो इसका निहितार्थ सामान्य नहीं हो सकता। एक पक्ष तो पाकिस्तान की रक्षा हो सकता है, दूसरा कुछ और ही है। दरअसल, चीन पाकिस्तान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। उसे वहां अपने निवेश, कंपनियों और अपने लोगों के लिए सुरक्षा चाहिए। उसका सीपेक यानी चाइना-पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर, जिसमें रेशम महापथ के हिस्से की सुरक्षा और रेशम महापथ की महत्वाकांक्षा है, उसे ऐसा करने से रोकती है। एक दूसरा पक्ष और भी है। वह है चीनी विवशता। ध्यान रहे कि 1980 में अजहर ने अफगानिस्तान में सोवियत सेनाओं से लड़कर अपने जीवन की शुरुआत की थी। बाद में उसने जैश-ए-मुहम्मद की स्थापना की। वह दौर पाकिस्तान में इस्लामीकरण का था। अफगानिस्तान पूंजीवाद व समाजवाद के द्वंद्व का शिकार था। चीन ने अवसर का फायदा उठाते हुए मुजाहिदीन से संबंध स्थापित किया ताकि शिनजियांग प्रांत के उइगर मुसलमानों का विद्रोह रोका जा सके जहां 1980, 1981, 1985, 1987 और 1990 में चीनी सत्ता विरोधी आंदोलन हो चुके थे। हालांकि उस समय सोवियत संघ चीन के विरुद्ध दिखाई दिया था क्योंकि उसने अफगानिस्तान से उइगर मुजाहिदीनों को रिहा कर दिया था कि शिनजियांग प्रांत में ये आंदोलन को ताकत प्रदान कर सकें। लेकिन चीन ने तालिबान से संपर्क साध कर इसका निदान तलाशा। यह समीकरण अब तक बना हुआ है। एक अन्य पक्ष है कि अरब सागर में चीन की पहुंच और मध्य एशिया से चीन का संपर्क तथा हिंद महासागर में ''स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स ट्रैप' बिना पाकिस्तान के सहयोग के संभव नहीं है। भविष्य में ग्वादर चीन के लिए ''की स्ट्रैटेजिक सेंटर' बनने वाला है जहां से वह हिंद महासागर और मध्य एशिया के बीच रणनीतिक संतुलन बनाने में पाकिस्तान का भरपूर प्रयोग करने वाला है। स्वाभाविक है कि चीन पाकिस्तान के मुकाबले भारत के साथ खड़ा नहीं होगा। भारत को यही बात ध्यान में रखकर आगे की रणनीति निर्मित करनी चाहिए। ध्यान रखना होगा कि आखिर, चीन ने 2001 के बाद से पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों और चरमपंथी समूहों को यूएनएससी में सूचीबद्ध करने पर सहमति दर्ज क्यों कराई और आतंकी वित्त पोषण के लिए वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स में ''ग्रे सूची' में पाकिस्तान को शामिल करने पर वह सहमत क्यों हुआ? ऐसा तो नहीं है कि चीन पाकिस्तान को लेकर सहयोग और दबाव की रणनीति पर काम कर रहा हो। भारत के पाकिस्तान के नाम पर सौदेबाजी करना चाहता हो। दूसरा पक्ष अमेरिकी सक्रियता संबंधी है। सवाल है कि अमेरिका यूएनएससी में प्रस्ताव लाकर अजहर लिस्ट को सार्वजनिक विषय बनाकर बहस क्यों करना चाहता है? क्या उसका मकसद चीन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बहस के जरिए शर्मसार करना है? अगर ऐसा है, तो क्या इस विषय पर भारत को अमेरिका का साथ देना चाहिए या फिर यह मानकर चलना चाहिए कि अजहर लिस्ट एक अनफिनिस्ड टास्क है, इसलिए भारत को इसे आगे बढ़ाते समय अमेरिकी कदमों में निहित चिंताओं और चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों की आवश्यकताओं के बीच संतुलन साधना होगा। ध्यान रहे कि अभी ऐसा कोई संकेत नहीं है कि चीन इस विषय पर अपना रुख बदलने को तैयार है। इसलिए विशेषकर अमेरिका की तरफ से की जाने वाली जबरदस्ती या धमकी की स्थिति में वह पुनः लाए गए प्रस्ताव पर भी वीटो कर सकता है। हालांकि नई दिल्ली का नजरिया भी साफ हो गया है यानी वह अजहर लिस्ट पर चीन के साथ मिलकर धैर्य एवं दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाना चाहती है, द्विपक्षीय संबंधों की बलि देकर नहीं। अजहर लिस्ट और क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म के मुद्दे पर अमेरिकी प्रयासों को यथाशक्ति समर्थन देना चाहिए लेकिन इस सावधानी के साथ कि यूएनएससी में चीन पर तात्कालिक जीत के लिए बहुत ज्यादा दांव पर न लगाया जाए बल्कि रीयल पॉलिटिक को पहचाना जाए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

पैदल चलें, स्वस्थ रहें

– डॉ. दीपक आचार्य

जो लोग शरीर के कहे अनुसार चलते हैं वे जल्दी ही थक जाया करते हैं। इसके विपरीत जो लोग शरीर को अपने अनुसार चलाते हैं उनका शरीर लंबे समय तक चलता है और स्वस्थ भी रहता है। अपना शरीर घोड़े की तरह है जिसे मन के संकल्पों की सुदृढ़ लगाम से संचालित किए जाने पर वह लम्बे समय तक काम करने लायक रहता है। और ऐसा नहीं करने पर वह हमें भार स्वरूप और बोझ मानकर हमारा साथ छोड़ देता है। श्वास-प्रश्वास से लेकर पिण्ड और ब्रह्माण्ड तक में जो-जो परिवर्तन होते हैं उनका निरन्तर परिमार्जन और शुद्धिकरण रोजाना जरूरी होता है। यह मार्जन-परिमार्जन यानि की साफ-सफाई का काम पंच तत्व करते हैं। जिन पंचतत्वों से शरीर का निर्माण होता है उनकी मिश्रित क्रियाओं, चयापचय, तत्वों का संयोग-वियोग और शरीर के चक्रों से लेकर अंग-उपांगों तक में परिभ्रमण का दौर हर क्षण बना रहता है। इन क्रियाओं के फलस्वरूप शरीर में विजातीय द्रव्यों और दूषित गैसों का प्रभाव रोजाना पैदा होता है जो ज्यादा दिन तक संचित हो जाने पर पूरे शरीर के किसी भी सूक्ष्म और स्थूल अंग तक में समस्या पैदा कर उस अंग या उपांग की गति व प्रभाव को अप्रत्याशित रूप से धीमी या तेज कर देता है । इस अवस्था में हमें आरंभिक तौर पर कुछ पता नहीं चलता है लेकिन धीरे-धीरे शरीर के अवयवों की कार्यक्षमता घटने और थमने लगती है और इसके कारण से हमारा पूरा शरीर विजातीय पदार्थों व जहरीली एवं आत्मघाती गैसों का घर होकर रह जाता है। इस वजह से शरीर में रक्त से लेकर वायु तक का परिभ्रमण बाधित हो जाता है और विभिन्न अंग-उपांगों में ऐसे स्थल या गुहाएं अपने आप निर्मित होने लगती हैं जो शरीर के लिए घातक हो जाती हैं। इसीलिए शरीर के प्रत्येक अंग-उपांग के संचालन की प्रक्रिया रोजाना करने का विधान रहा है ताकि विजातीय द्रव्य, प्रदूषित वायु आदि हरकत में आकर शरीर से बाहर निकल जाएं। इनका भी उत्सर्जन रोजाना, निरन्तर और नियमित रूप से होना जरूरी है। जो लोग रोजाना योगाभ्यास करते हैं, नियमित भ्रमण करते हैं उनके शरीर का संचालन तेज-तेज होने की वजह से शरीरस्थ घर्षण के माध्यम से सारी दूषित गैसें और शरीर में जमो होने वाले विजातीय हानिकारक पदार्थ पसीने के माध्यम से बाहर निकल जाते हैं। इससे शरीर में स्फूर्ति का संचार हो जाता है और अनावश्यक तत्वों का उत्सर्जन नियमित रूप से होता रहता है। पर अधिकांश लोग अपनी कमाई और धंधों में व्यस्त हैं अथवा जवानी के जोश में होते हैं। इस कारण शरीर पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते हैं। हमारे जीवन की सभी प्रकार की मानसिक और शारीरिक बीमारियों का मूल कारण यही है। ये हानिकारक तत्व ही शरीर के अंग-उपांगों को बिगाड़ डालते हैं और एक समय बाद नाकारा करने लगते हैं। यह अवस्था हमारे लिए गंभीर बीमारी की होती है जिसमें सिवाय दवाओं और निरन्तर जांचों के सिवा कोई और काम नहीं आता। आजकल सब जगह यही हो रहा है। और कुछ न कर सकें तो रोजाना पैदल चलें। जितनी रोटियां खाएं, कम से कम उतने या दुगुने किलोमीटर पैदल चलने का अभ्यास बनाएं तभी हमारा जीवन सुखद और स्वस्थ रह पाएगा। जो लोग किसी न किसी प्रकार के बाड़ों में बंद रहते हैं उन लोगों के लिए यह बीमारियां ज्यादा घातक असर छोड़ती हैं। चाहे ये बन्द बाड़े कितने ही खूबसूरत और एयरकण्डीशण्ड क्यों न हों। लेकिन जो लोग पैदल चलने के अभ्यासी हैं उन लोगों के जीवन में बीमारियां कम ही होती हैं। हमारे आस-पास देख लें या दूसरे लोगों को, जो लोग हमेशा पैदल चलते हैं वे आलस्य से मुक्त रहते हैं, हमेशा मस्ती में दिखते हैं और लम्बे जीते हैं। पैदल चलने वाला हमेशा दीर्घायु होता है। ऐसे बहुत से लोग हमारे आस-पास हैं जो पैदल चलते हैं और जिन्दगी का भरपूर आनंद पाते हैं। कई लोग प्रातःकालीन और सायंकालीन भ्रमण के नाम पर अभिजात्य होने का दंभ भरते हुए वॉकिंग करते हैं। लेकिन ये लोग ऐसे चलते हैं जैसे कि शादी के प्रोसेशन में चल रहे हों। धीरे-धीरे चलने, बातें करते हुए चलने वालों का भ्रमण नाकारा ही हैं। इन लोगों का भ्रमण केवल दिखावा ही होता है। यों भी आजकल वॉकिंग की फैशन भी चल पड़ी है जहां अपने आपको बड़े और महान कहने वाले लोग हर जगह मिल जाएंगे। बहुत सारे लोग उन रास्तों पर प्रातः या सायंकालीन भ्रमण करते हैं जहां मुख्य मार्गों पर वाहनों का निरन्तर आवागमन लगा रहता है। ऐसे लोग वॉकिंग के नाम पर अपनी मौत को ही जल्दी बुला रहे होते हैं क्योंकि जितना वॉकिंग ये करते हैं उतनी धूल और धूंए के गुबार अधिक तेजी से इनके फेफड़ों में जाते हैं। लेकिन वॉकिंग के नाम पर शौक पूरा करने वाले लोगों के लिए इसका कोई मतलब नहीं है। ये लोग वॉकिंग के नाम पर लोक दिखाऊ कुछ भी कर सकते हैं। वाहनों का मोह त्यागें, साईकिल का सहारा लें और जितना अधिक हो सके, पैदल चलने का अभ्यास डालें। यही सेहत का महा राज है।

कहीं रक्त चढ़ाना जीवन के लिए खतरा न बन जाए

अवधेश कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

तमिलनाडु के सरकारी अस्पतालों में पिछले चार महीने में दूषित, मृत या निर्धारित समयावधि पार कर चुके खून चढ़ाने से 15 महिलाओं की दुखद मृत्यु की खबर सुर्खियों में है। डॉक्टरों और अधिकारियों की एक टीम द्वारा कई ब्लड बैंकों की जांच करने पर पाया गया कि रक्तदान संबंधी जांच और उनको सुरक्षित रखने के निर्धारित मानकों का उल्लंघन हो रहा है। डॉक्टरों और अधिकारियों ने बिना जांच रिपोर्ट देखे ही रक्त के सुरक्षित होने का प्रमाण पत्र दे दिया था। किन्हीं कारणों से खराब हो चुके या दूषित-संक्रमित रक्त चढ़ाने से मरीजों की मृत्यु या रोगग्रस्त हो जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। कुछ मामलों में जांच के बाद दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई होती है, सरकारी ब्लड बैंकों की कमियों को दूर करने के कदम उठाए जाने तथा प्राइवेट को बंद करने तक की सूचनाएं आती हैं, लेकिन फिर कुछ अंतराल पर ऐसी ही घटना अन्यत्र घटित हो जाती है। इस समय तमिलनाडु की स्वास्थ्य सचिव ने तीन ब्लड बैंकों के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई तथा आपराधिक मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं। जाहिर है, इसका असर कुछ समय के लिए होगा, किंतु गारंटी नहीं कि आगे इस तरह की जानलेवा लापरवाही न हो। आखिर पिछले वर्ष मदुरै के अस्पताल में एक गर्भवती महिला रक्त चढ़ाने के बाद एचआईवी संक्रमित पाई गई, जबकि पहले की जांच में वह एचआईवी निगेटिव थी। जांच में पाया गया कि एक 19 वर्षीय युवक ने रक्तदान किया था। जब रक्त देने वाले युवक को इसका पता चला, तो उसने चूहे की दवा खाकर जान दे दी। उस समय भी खूब हंगामा हुआ था। उसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने नए सिरे से ब्लड बैंकों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। यह स्थिति केवल तमिलनाडु की नहीं, पूरे देश की है। रक्तदान से संबंधित नियमों तथा रक्त को बैंकों में सुरक्षित रखने के नियमों के पालन में लापरवाही बरती जाती है। हमारे यहां इसका प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि कितने लोगों को रक्त चढ़ाने से कौन-सी बीमारी हुई या कितने मौत के शिकार हो गए। 2017 में एक आरटीआई से यह जानकारी सामने आई थी कि 2014 से 2016 के बीच राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन या नाको को संक्रमित रक्त चढ़ाने से 2,234 लोगों के एचआईवी संक्रमित होने का पता चला। ये वे मामले हैं, जो नाको के संज्ञान में आए, अन्यथा मामले तो बहुत होंगे। एक अध्ययन रिपोर्ट को देखें, तो कुल रक्त भंडार में से करीब चार प्रतिशत ही संक्रमित होता है। यह मात्रा बड़ी नहीं है, पर इसका पकड़ में न आना खतरनाक है। नाको ने बताया है कि कोई रक्त एचआईवी संक्रमित है या नहीं, इसकी जांच की नेट टेस्ट सुविधा हर जगह उपलब्ध नहीं है। रक्तदान से पूर्व रक्तदाता के ब्लड ग्रुप, शुगर, एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी, मलेरिया और वीडीआरएल की जांच बहुत जरूरी है। रक्तदाताओं के लिए कुछ अर्हताएं निर्धारित हैं। शराब का नियमित सेवन करने वाले, हृदय रोगी, दमा रोगी, टीवी और कुष्ठ रोगी, कैंसर रोगी आदि रक्तदान नहीं कर सकते। वही व्यक्ति रक्तदान कर सकेगा, जिसका हिमोग्लोबिन 12.5 से ज्यादा है। ट्रांसजेंडर, समलैंगिक, फीमेल सेक्स वर्कर्स बिना डॉक्टरी जांच के रक्तदान नहीं कर सकते। जिसके घर हेपेटाइटिस का मरीज हो, वह 12 माह तक रक्तदान नहीं कर सकता। मलेरिया ठीक होने के तीन माह, डेंगू-चिकनगुनिया के छह माह और जीका वायरस से ठीक होने के चार माह बाद ही रक्तदान किया जा सकता है। हम स्वयं समझ सकते हैं कि इनमें से कई का पालन संभव नहीं। कोई न बताए, तो उसकी कमी के बारे में जानना असंभव है। डोनर (रक्तदाता) फॉर्म में भी तमाम कॉलम हैं, जिन्हें दाता भरता है। फॉर्म में कोई सच ही लिखे, जरूरी नहीं। पेशेवर रक्तदाताओं में ज्यादा संक्रमण पाया गया है। ये लोग तीन महीने के अंतराल का पालन नहीं करते। इन सबका निष्कर्ष यही कि रक्तदान के पूर्व डोनर की और रक्तदान के बाद रक्त की सभी संबंधित जांच सख्ती से हो। ब्लड बैंकों में सारी जांच और रख-रखाव के मानकों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी निगरानी की पुख्ता व्यवस्था भी आवश्यक है। रक्त को ठीक तापमान पर इस तरह संरक्षित किया जाए कि संक्रमण की आशंका बिल्कुल न हो।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत के ए-सैट परीक्षण से अंतरिक्ष में मलबे को लेकर परेशान पाकिस्तान

इस्लामाबाद।

भारत के ए-सैट मिसाइल परीक्षण के कारण अंतरिक्ष में जमा मलबे पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के आकलन को लेकर परेशान पाकिस्तान ने गंभीर चिंता जताई है। भारत ने 27 मार्च को अपनी अंतरिक्ष क्षमता का प्रदर्शन करते हुए अपने एक कृत्रिम उपग्रह को उपग्रह रोधी मिसाइल से मार गिराया था। देश के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके साथ ही भारत ऐसी क्षमता रखने वाले अमेरिका, रूस और चीन के क्लब में शामिल हो गया है। नासा ने सोमवार को भारत द्वारा अपने ही एक उपग्रह को मार गिराए जाने को ''भयंकर'' बताया था। नासा प्रमुख ने कहा कि नष्ट किए उपग्रह से अंतरिक्ष की कक्षा में करीब 400 टुकड़ों का मलबा जमा हो गया और इस वजह से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) के लिए खतरा पैदा हो गया है। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के प्रशासक जिम ब्राइडेंस्टाइन ने कहा है कि अभी तक करीब 60 टुकड़ों का पता लगाया गया है और इनमें से 24 टुकड़े आईएसएस के दूरतम बिन्दु से ऊपर हैं। भारत के ए-सैट परीक्षण पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा, ''ऐसी खबरें बहुत चिंताजनक हैं कि इस परीक्षण से बिखरे मलबे के कुछ टुकड़े अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र के ऊपर पहुंच गए हैं, जिससे उसे खतरा पैदा हो गया है।'' परीक्षण के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि निचली कक्षा में परीक्षण करते हुए यह सुनिश्चित किया गया

पाक सरकार ने लादेन की मदद करने वाले पूर्व आईबी प्रमुख को बनाया मंत्री

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान की सरकार ने ओसामा बिन लादेन की मदद करने पूर्व आईबी प्रमुख एजाज शाह को संसदीय मामलों के मंत्री नियुक्त किया है। मंगलवार को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने शाह को मंत्री पद की शपथ दिलाई। शाह की नियुक्ति के बाद इमरान खान की सरकार और विपक्ष के बीच तल्खी बढ़ गई है। खासतौर पर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता इससे नाराज है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूतपूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने अपनी मौत से पहले कहा था कि कुछ लोग मेरी हत्या की साजिश कर रहे हैं और उनमें शाह भी शामिल हैं। मंत्री शाह को पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ का करीबी माना जाता है। 2012 में सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व आईएसआई प्रमुख जनरल जियाउद्दीन बट्ट ने कहा था कि शाह ने ही एबटाबाद में तीन मंजिला इमारत बनाने का आदेश दिया था। यह वही जगह है जहां अमेरिकी सेना ने 2011 में लादेन को मार डाला था। लादेन 9/11 हमले के बाद सेही अमेरिका की वॉन्टेड लिस्ट में था। बट्ट ने कहा था- मुझे पूरा भरोसा है कि शाह ने ही लादेन को एबटाबाद में रखा था। यह बात मुशर्रफ भी जानते थे। हालांकि, शाह ने इन आरोपों से इनकार किया था। शाह 2004 से 2008 तक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईबी के डायरेक्टर रहे। वे पाकिस्तान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के टिकट पर एनए-118 (ननकाना साहिब-सेकंड) से चुनाव लड़कर नेशनल असेंबली के सदस्य भी चुने जा चुके हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सैयद खुर्शीद शाह ने डॉन से कहा कि शाह को मंत्री बनाना पाकिस्तानी संसद का अपमान है। सरकार ने यह कदम विपक्ष को उकसाने के लिए उठाया है। शाह को मुशर्रफ के विकल्प के तौर पर सत्ता में लाया गया है, ।

पाक की यूएस से गुहार भारत से पुनः वार्ता शुरू कराने में करे मदद

इस्लामाबाद।

पुलवामा आतंकवादी हमले और बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर भारतीय वायुसेना के हवाई हमले के बाद से भारत के साथ बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान ने मंगलवार को अमेरिका से गुहार लगाई है कि वह सभी लंबित मामलों को सुलझाने के लिए इंडो-पाक वार्ता फिर से शुरू कराने में अपनी भूमिका निभाए। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और अमेरिका के विदेश मंत्री माइकल पोम्पिओ ने मंगलवार को फोन पर बात की और क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाए ताकि सभी लंबित विवादों का समाधान तलाशा जा सके।'' मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि दक्षिण एशिया में शांति एवं स्थिरता के लिए तनाव कम करना आवश्यक है।

कुरैशी ने तनाव करने के लिए भारतीय पायलट को सौंपने समेत पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कदमों की भी जानकारी पोम्पिओ को दी। मंत्रालय ने कहा, ''उन्होंने अमेरिका से यह भी अपील की कि वह भारत एवं पाकिस्तान के बीच फिर से वार्ता शुरू कराने में अपनी भूमिका निभाए ताकि सभी लंबित विवादों का समाधान तलाशा जा सके।''

भारत की 'लॉबिंग' की वजह से पाक को काली सूची में डाल सकता है एफएटीएफ

लाहौर।

भारत की लॉबिंग की वजह से पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) द्वारा काली सूची में डाला जा सकता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने मंगलवार को यह बात कही। कुरैशी ने कहा कि यदि पाकिस्तान एफएटीएफ की निगरानी सूची में रहता है तो उसे सालाना 10 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। पेरिस के एफएटीएफ ने पिछले साल जून में पाकिस्तान को निगरानी वाले देशों की सूची में डाला था। इस सूची में वे देश शामिल हैं जो मनी लॉन्ड्रिंग तथा आतंकवाद के वित्तपोषण की चुनौतियों से निपटने में कमजोर माने जाते हैं। एफएटीएफ आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लांड्रिंग पर अंकुश के लिए काम कर रहा है।

उसने पाकिस्तान से देश में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के परिचालन का नए सिरे से आकलन करने को कहा था। पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद से पाकिस्तान पर जैश ए मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों पर अंकुश लगाने के लिए भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है। कुरैशी ने कहा कि विदेश विभाग यह गणना कर रहा है कि यदि पाकिस्तान को एफएटीएफ की खाली सूची में डाला जाता है तो कितना नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि भारत इसके लिए लॉबिंग कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का आकलन है कि यदि उसे निगरानी सूची में कायम रखा जाता है तो सालाना 10 अरब डॉलर का नुकसान होगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में एच-1बी वीजा फ्रॉड करने वाले 3 भारतवंशियों के खिलाफ केस दर्ज

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के 3 कंसल्टेंट के खिलाफ वीजा फ्रॉड के मामले में केस दर्ज किया गया है। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने लोकप्रिय एच-1बी वीजा के लिए नकली दस्तावेज पेश किए ताकि प्रतिद्वंद्वी फर्म के मुकाबले बढ़त पाया जा सके। न्याय विभाग ने बयान जारी कर कहा कि संघीय ग्रैंड जूरी में पिछले महीने चलाए गए मुकदमे के दौरान सांता क्लारा के किशोर दत्तापुरम, ऑस्टिन के कुमार अस्वपति और सैन जोस के संतोष गिरि को वीजा फ्रॉड और वीजा फ्रॉड के लिए साजिश रचने का दोषी पाया गया। कोर्ट के 8 पेज के दस्तावेज में कहा कि दत्तापुरम (49), अस्वपति (49) और गिरि (42) सांता क्लारा में नैनोसिमैंटिक्स नाम की कंसल्टिंग फर्म चला रहे थे जिसका काम विदेशी नागरिकों को कैलिफॉर्निया के बे एरिया स्थिति आईटी कंपनियों में नौकरी दिलाना था। कोर्ट के दस्तावेज में कहा गया है कि तीनों ने प्रतिद्वंद्वी कंपनी से आगे बढ़ने के लिए विदेशी कामगारों की तरफ से वीजा से संबंधित फर्जी आवेदनों का इस्तेमाल किया। बचाव पक्ष ने नैनोसिमैंटिक्स का इस्तेमाल करते हुए फर्जी आई-129 पिटीशन दाखिल की और कामगारों के लिए एच-1बी वीजा प्राप्त किया और फिर उन्हें स्थानीय कंपनियों में प्लेसमेंट दिला दी। इस मामले में अगली सुनवाई 13 मई को होगी। अगर वे मामले में दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें अधिकतम 10 साल की सजा दी जाएगी और 2,50,000 डॉलर जुर्माना चुकाना होगा। उन्हें आगे वापस भारत भी भेजा जा सकता है।

ईरान में बाढ़ से 57 लोगों की मौत, 478 घायल

तेहरान। ईरान में पिछले दो सप्ताह में विभिन्न इलाकों में आई बाढ़ से 57 लोगों की मौत हो गई। ईरान आपातकालीन संगठन ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। संगठन के प्रवक्ता मोजताबा खालेदी ने कहा कि हाल में आई बाढ़ में 478 लोग घायल हुए हैं। बाढ़ और तबाही के कारण 19 मार्च से अबतक ईरान के कृषि क्षेत्र, आधारभूत संरचनाओं के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी इलाकों में भारी नुकसना हुआ है। पश्चिमी ईरान में दर्जनों शहर और गांव में अभी भी जल स्तर काफी बढ़ा हुआ है।

बेटा स्कूल ले गया गन, मां को चार साल की जेल

न्यूयार्क। इंडियाना की एक महिला को चार साल की जेल की सजा सुनाई गई है क्योंकि उनका 15 वर्षीय बेटा एक हैंडगन लेकर स्कूल चला गया था। हार्टफोर्ड सिटी की रहनेवाली 40 वर्षीय महिला ने मंगलवार को अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। महिला पर उस अपराध से संबंधित मामला दर्ज किया गया है जिसमें अभिभावक अपने बच्चों को बंदूक रखने की अनुमति देते हैं। द स्टार प्रेस की खबरों के मुताबिक महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्हें पता था कि उनका बेटा बंदूक रखता है लेकिन उन्होंने इस बारे में उसके साथ कभी चर्चा नहीं की थी।

वायु प्रदूषण में कमी से प्रतिवर्ष बचाई जा सकती है 30 लाख लोगों की जिन्दगी

इंटरनेशनल डैस्क। वायु प्रदूषण में कमी लाकर विश्वभर में खासतौर पर भारत, अफ्रीका और चीन जैसे देशों में प्रतिवर्ष कम से कम 30 लाख लोगों की अकाल मृत्यु को रोका जा सकता है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है। जर्मनी स्थित मैक्स प्लैंक इंस्टिच्यूट फॉर केमिस्ट्री के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल बंद करने से वायु प्रदूषण में तेजी से कमी लाई जा सकती है। शोधकर्ताओं का आकलन है कि जीवाश्म ईंधन से होने वाला उत्सर्जन मानव निर्मित वायु प्रदूषकों के कारण विश्वभर में होने वाली 65 फीसदी अकाल मौतों के लिए जिम्मेदार है। प्रदूषित हवा हृदय तथा श्वसन संबंधी बीमारियों के खतरों को काफी बढ़ा देती है। इस अध्ययन में शामिल रहे हेल्थ कनाडा के प्रोफेसर रिचर्ड बर्नेट के अनुसार हाल ही यह पता चला है कि हवा में महीन कणों की मौजूदगी से स्वास्थ्य भार काफी बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल बंद कर प्रतिवर्ष विश्वभर में होने वाली तीस लाख अकाल मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण में कमी न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होगी, बल्कि जलवायु पर भी इसका असर पड़ेगा।

अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति पर एक और महिला ने लगाया यौन शोषण का आरोप

वाशिंगटन । अमरीका के पूर्व उप-राष्ट्रपति और वर्तमान में डैमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार जो बिडेन पर एक और महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है, जिसके बाद उनकी व्हाइट हाऊस पहुंचने की संभावनाओं को झटका लगता नजर आ रहा है। एमी लेप्पोस नामक महिला ने बिडेन पर एक दशक पहले दोनों हाथों से उनका चेहरा थामने और नाक से नाक रगड़ने का आरोप लगाया है। एक डैमोक्रेटिक नेता की पूर्व सहायक 43 वर्षीय लेप्पोस के अनुसार 2009 में कनैक्टीकट के हार्टफोर्ड में एक कार्यक्रम के दौरान बिडेन ने उक्त हरकत की थी। यह आरोप ऐसे समय में आए हैं, जब बिडेन पर एक अन्य महिला लूसी फ्लोरेस पहले ही चुनाव प्रचार के दौरान सिर के पीछे चूमने का आरोप लगा चुकी हैं। इस बारे में बिडेन का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने कभी कोई गलत हरकत की है। 2009 से 2017 तक बराक ओबामा के कार्यकाल में उप-राष्ट्रपति रहे डेलेवेर से सीनेटर बिडेन को डैमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है।

53 देशों के 1 अरब से ज्यादा लोग भुखमरी के शिकार

पैरिस।

संयुक्त राष्ट्र की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार युद्ध एवं प्राकृतिक आपदाओं के चलते दुनिया के 53 देशों के लगभग 11.3 करोड़ लोग भुखमरी के शिकार हैं। भुखमरी से अफ्रीका महाद्वीप सबसे ज्यादा प्रभावित है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) द्वारा खाद्य संकट पर 2019 के लिए जारी वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार इन 11.3 करोड़ लोगों में से दो-तिहाई लोग यमन, डैमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, अफगानिस्तान और सीरिया सहित उन 8 देशों में शामिल हैं जहां भुखमरी का संकट सबसे अधिक है। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएं मुख्य कारक- 3 साल पहले शुरू किया संयुक्त राष्ट्र का एफ.ए.ओ. मिशन घोर संकट झेल रहे देशों का सालाना अध्ययन कर रिपोर्ट देता है। एफ.ए.ओ. के आपात परिस्थिति निदेशक डोमिनिक बोर्जियोन के अनुसार अकेले अफ्रीका में ही लगभग 7 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी के शिकार हैं। इसके पीछे युद्ध, हिंसक झड़पें, असुरक्षा, आर्थिक संकट और सूखा व बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं मुख्य कारक हैं 80 फीसदी जनसंख्या कृषि पर निर्भर: भुखमरी के शिकार देशों की 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। बोर्जियोन के अनुसार इन लोगों को भोजन के साथ ही पैदावार बढ़ाने के तरीकों के लिए आपात सहायता आवश्यक है। शरणार्थी संकट भी बड़ा कारण: रिपोर्ट में शरणार्थी समस्या से जूझ रहे युद्ध पीड़ित सीरिया के पड़ोसी देशों और म्यांमार से पहुंचे लगभग एक लाख रोहिंग्या मुसलमानों से उपजे संकट को झेल रहे बंगलादेश पर बढ़ते दबाव का भी जिक्र किया गया है। वेनेजुएला घोषित कर सकता है खाद्य आपातकाल- एफ.ए.ओ. का मानना है कि इस वर्ष राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहे लैटिन अमरीकी देश वेनेजुएला के खाद्य आपातकाल की घोषणा के बाद शरणार्थी संकट और बढ़ सकता है। हालांकि रिपोर्ट में 2017 के मुकाबले 2018 में भुखमरी से पीड़ितों की संख्या में कमी पर संतोष जताया गया है।

कैलाश मानसरोवर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए चीन ने खोला दिल

नई दिल्ली ।

कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वालों की सुविधाओं को बढ़ाने का वादा करते हुए चीन ने आज कहा कि वह तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्र में भगवान शिव के इस तीर्थ के समीप एक हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों खासकर चार्टर्ड विमानों के लिए खोलने के साथ ही वीजा प्रणाली आसान बनाने पर विचार कर रहा है। चीन के दूतावास में मिनिस्टर एवं डिप्टी चीफ ऑफ मिशन ली बिजियान और तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्र में अली प्रीफैक्चर के उप आयुक्त जी किंगमिन ने यहां एक कार्यक्रम में संवाददाताओं को यह जानकारी दी। कैलास मानसरोवर के तीर्थयात्रियों के साथ संवाद का यह कार्यक्रम भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और चीनी दूतावास ने मिल कर आयोजित किया था। कार्यक्रम में चीनी विदेश मंत्रालय में तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्र मामलों की महानिदेशक बैमान्यांगजोंग और सीआईआई भारत चीन फोरम के अध्यक्ष तरुण विजय भी उपस्थित थे। कार्यक्रम तीर्थयात्रियों की कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर सुझावों एवं मांगों को लेकर जवाब देते हुए ली बिजियान ने कहा कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा भारत एवं चीन के बीच जनता के बीच संपर्क बढ़ाने का बहुत भी प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की बहुत सारी मांगों में से कुछ मांगों को मानना संभव है और चीन एवं तिब्बत की स्थानीय सरकारें इस बारे में समुचित कदम उठाएंगी लेकिन बहुत सी मांगों को पूरा करना बहुत कठिन है। इस क्षेत्र में आक्सीजन की कमी है और वर्ष में मई से सितंबर तक करीब चार -पांच माह ही काम करना संभव होता है। काम के लिए लोगों की उपलब्धता भी चुनौती है। उन्होंने कहा कि भारत एवं चीन के शीर्ष नेताओं के बीच सहमति के बाद नाथू ला में दूसरा मार्ग खोला गया है। इससे यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है। कैलास मानसरोवर में ढांचागत सुविधाओं का विकास किया गया है। यात्रियों के लिए आसान पहुंच की मांग के बारे में उन्होंने कहा कि चीन की केन्द्र सरकार की पहल पर कैलास मानसरोवर के लिए अली प्रीफैक्चर में पुरांग के समीप एक हवाईअड्डे को खोलने पर विचार किया जा रहा है। वीसा प्रक्रिया को आसान बनाने के बारे में भी सकारात्मक ढंग से विचार किया जा रहा है। श्री जी किंगमिन ने कहा कि कैलास मानसरोवर के करीब दो सौ किलोमीटर दूर कुन्शा हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के रूप में कैलास मानसरोवर के यात्रियों के लिए विकसित करने का प्रस्ताव है। हवाई अड्डे के पास यात्रियों को जलवायु अनुकूलता के लिए ठहरने के वास्ते होटल, रेस्टोरेंट आदि सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा। हालांकि उन्होंने इसके खुलने की समयसीमा बताने में असमर्थता व्यक्त की।उल्लेखनीय है कि भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए उत्तराखंड के पारंपरिक लिपुलेख दर्रे के कठिन मार्ग के अलावा नाथू ला दर्रे से मोटरवाहन से जाने का मार्ग उपलब्ध है। कुन्शा हवाईअड्डे से तीसरा मार्ग उपलब्ध होगा।

मछलियों की जन्नत में मिली मृत व्हेल, पेट से निकला 22 किलो प्लास्टिक

मिलान। इटली के सारडीनिया समुद्र तट पर मृत मिली 8 मीटर लंबी गर्भवती व्हेल मछली के पेट से 22 किलो प्लास्टिक कूड़ा मिला है। इस घटना के बाद वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फाऊंडेशन (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.) ने भू-मध्यसागर में प्लास्टिक कचरे के कारण पैदा हो रहे गंभीर खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। समुद्री पर्यावरण के लिए काम करने वाले एक समूह ने बताया कि व्हेल के पेट से बरामद प्लास्टिक के सामान में बिजली से संबंधित कार्यों में इस्तेमाल होने वाली नली (ट्यूब), प्लेटें, शॉपिंग बैग्स, मछली पकड़ने का जाल और डिटर्जैंट पाऊडर का कवर शामिल है। यह मादा व्हेल पिछले सप्ताह डॉल्फिन और व्हेल मछलियों के लिए जन्नत कहलाने वाली पैलागोस मरीन सैंक्चुरी के उत्तरी तट पर मिली थी। डब्ल्यू.डब्ल्यू. एफ. ने इस बारे में कहा कि समुद्री जीवन के लिए प्लास्टिक सबसे बड़ा खतरा बन गया है और पिछले 2 सालों में इसके कारण यूरोप से एशिया तक 5 अन्य व्हेल मछलियों की मौत हो चुकी है। इससे पहले भी फिलीपींस तट पर बह के आई मृत व्हेल मछली के पेट से 40 किलोग्राम वजन के प्लास्टिक बैग बरामद किए गए थे। उसकी मौत की वजह गैस्ट्रिक शॉक बताई गई थी। तब भी समुद्री जीवविज्ञानी और दावाओ शहर के डी बोन कलेक्टर संग्रहालय के कार्यकर्ता युवा व्हेल मछली की मौत की इस क्रूर वजह पर स्तब्ध रह गए थे।

पाकिस्तान को झटका, मसूद अजहर को हर हाल में ब्लैकलिस्ट करवाएगा अमेरिका

वॉशिंगटन।

आतंकी सरगना मसूद अजहर को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे विवाद के बीच पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड नेशंस सिक्वे योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) में मसूद अजहर को ब्लैकलिस्ट करने के लिए वह हर संसाधन का प्रयोग करेगा। इसके अलावा चीन की ओर से प्रतिबंध कमेटी को जो भी बातें कही जा रही हैं, उसे भी एक धोखाधड़ी साबित करके रहेगा। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा है, हम इस बात का पुरजोर समर्थन करते हैं कि यूएनएससी की ओर से प्रतिबंध की प्रक्रिया एक कमेटी से होकर गुजरे, अमेरिका और इसके साथी, जो यूएनएससी के सदस्य हैं, सभी संसाधनों का प्रयोग करेंगे। हम हर कोशिश करेंगे ताकि प्रतिबंधित संगठन जैश के सरगना और इसके संस्थापक को अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से उत्तरदायी ठहराया जा सके। प्रवक्ता ने इस बात की भी पुष्टि की है कि अमेरिका ने यूके और फ्रांस के समर्थन से तैयार यूएनएससी रेजोल्यूशन तैयार किया है। चीन ने हाल ही में अमेरिका, फ्रांस और यूके की ओर से मसूद अजहर को बैन करने वाला ड्राफ्ट पेश करने पर इन देशों की कड़ी आलोचना की है। प्रवक्ता की ओर से यह बयान इसी आलोचना पर पूछे गए सवाल के जवाब के तौर पर दिया गया है। चीन ने कहा था कि यह कदम ठीक नहीं है और एक गलत उदाहरण पेश करता है।

उन पाटिया में महिला की करंट लगने से मौत मामले में पीएम बिना ही सौंपा परिवार को शव

सूरत। शहर के उन पाटिया विस्तार में सोमवार रात को एक महिला की करंट लगने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सचिन जीओीडीसी पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। इसमें पुलिस द्वारा लापरवाही बरतते हुए शव का पोस्टमोर्टम करवाने के बजाय उसके परिवार को मृतदेह सौंपे जाने से विवाद खड़ा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के उन पाटिया विस्तार में स्थित तालाब के पास निभामीन नगर निवासी 35 वर्षीय वकीला मोहम्मद उमर अपने तीन बच्चे और पति के साथ रहती है। सोमवार रात वकीला कपड़े सुकाने के लिए छत पर गई थी, तब छत के निकट से गजरने वाले जीईबी के वायर के संपर्क में आ जाने से करंट लग गया। उससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सचिन जीआईडीसी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच थी। मृतदेह का कब्जा लेने के बजाए मृतक महिला के पति का स्टेटमेन्ट लेकर लाश परिवार को सौंप दिया और मोत का सही कारण जाने बिना ही महिला की दफन विविध की गई। उल्लेखनीय है कि जब किसी भी व्यक्ति की करंट लगने या जहरीली दवा पीने की घटना सामने आती है तब मृतदेह का पोस्टमोर्टम करना अनिवार्य है।

सूरत। बुधवार को नवसारी संसदीय क्षेत्र में होने वाले लोकसभा के चुनाव के लिए 13 उम्मीदवारों द्वारा फार्म भरा गया। 25 नवासारी संसदीय विभाग में उम्मीदवारी पत्र दाखिल करने के 13 वें दिन खड़दिया कनुभाई टपुभाई सोश्यलीस्ट चुनिटी सेन्टर ओफ इंडिया, पटेल धर्मेशभाई भीमभाई इंडिया नेशल कांग्रेस, देसाई सिध्धार्थभाई सुखदेवभाई इंडिया नेशनल कांग्रेस, पासवान विरेन्द्र दुर्गाप्रसाद भारतीय बहुजन कांग्रेस, अमृत नरसैया पापैया पीरामीड पार्टी ओफ इंडिया, पटेल नवीन कुमार शंकरभाई अपक्ष, तावडे विरेन्द्र तुलसीराम मानव अधिकार नेशनल पार्टी, मिश्रा जीतेन्द्रभाई प्रेमनाथ एस.एन.वी.पी, पठाण जावेदखान सुजातखान युव सरकार, शर्मा राजमल मोहन लाल स्वतंत्र भारत सत्याग्रह पार्टी, शर्मा हिरामणी दिनदयाल राष्ट्रीय समाज पक्ष के तौर पर उम्मीदवार पत्र भरा है।

रैली-जुलूस के द्वारा फॉर्म भरने के लिए पहुंचे

परेश धानाणी, भरतसिंह सहित कांग्रेस उम्मीदवारों ने फॉर्म भरा

अमरेली से धानाणी, आणंद से भरतसिंह, पोरबंदर से वसोया, अहमदाबाद पश्चिम से राजू परमार ने फॉर्म भरा

अहमदाबाद । गुजरात लोकसभा चुनाव को लेकर अहमदाबाद सहित पूरे राज्य में चुनाव का माहौल बन रहा है और गुरुवार को नामांकन फॉर्म भरने की अंतिम तारीख है तब बुधवार को कांग्रेस के दिग्गज उम्मीदवारों ने अपना नामांकन फॉर्म भरकर लोकसभा सीट के लिए विधिवत अपनी उम्मीदवारी दाखिल कराई । बुधवार को अहमदाबाद पश्चिम सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार राजू परमार, अमरेली से परेश धानाणी, आणंद से भरतसिंह सोलंकी, पोरबंदर से ललित वसोया,राजकोट से ललित कगथरा और पंचमहाल से वीके. खांट ने अपना नामांकन फॉर्म भरा और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार जरूरी एफिडेविट भी पेश किया गया था । बुधवार को भरतसिंह सोलंकी सहित के उपरोक्त उम्मीदवारों ने अपने नामांकन फॉर्म भरने के लिए रैली-जुलूस के द्वारा अपना नामांकन फॉर्म भरने के लिए पहुंचे । अमरेली सीट के लिए विपक्ष के नेता परेश धानाणी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ रैली के रूप में अमरेली जिला कलेक्टर ऑफिस पर पहुंचे और वहां विधिवत रूप से अपना नामांकन फॉर्म भरकर औपचारिकता पूरी की । इस अवसर पर धानाणी ने बताया कि, मोदी सरकार और भाजपा के कुशासन की वजह से अर्थतंत्र को काफी नुकसान हुआ है, देश में बेरोजगारी इतनी बढ़ गई है कि, नौकरी-धंधा और रोजगार छीन लिया गया है तब यह सभी समस्या का समाधान अब सत्ता परिवर्तन है और मतदाताओं को इस बार कांग्रेस को मौका देकर प्रजातंत्र विजयी बनाये ऐसी उन्होंने अपील की । इस दौरान अहमदाबाद पश्चिम सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार राजू परमार अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ और एएमसी प्रशासन विपक्ष के पूर्व नेता सुरेन्द्र बक्षी, वकील इकबाल शेख सहित के सीनियरों के साथ अहमदाबाद जिला कलेक्टर ऑफिस पर पहुंचे और अपना नामांकन फॉर्म भरा । इसके पहले राजू परमार ने यह सीनियरों के साथ डॉ बाबासाहब आंबेडकर की प्रतिमा को हार पहनाकर उनको श्रद्धांजलि देकर आशीर्वाद भी लिया । आणंद लोकसभा सीट के लिए पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भरतसिंह सोलंकी ने सिर पर साफा बांधकर देवदर्शन करके सिर पर तिलक लगाने के बाद सैकड़ों समर्थकों के साथ अपना नामांकन फॉर्म भरा। पोरबंदर से ललित वसोया, राजकोट से ललित कगथरा और पंचमहाल से वीके. खांट ने अपना नामांकन फॉर्म भरा।

सूरत। बुधवार को सांस्कृतिक रक्षा समिति के प्रमुख आशिषभाई सूर्यवंशी के बेटी नंदनी सूर्यवंशी के 9वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में उधना विस्तार में पीने के ठंडा पानी के परब का शुभांरभ किया गया। इस परब से राहगीरों की भीषण गर्मी में अपनी प्यास बुझाने में मदद मिलेगी। एक परब का शुभारंभ उधना अमरोली रोड़ में किया है जबकी दुसरी का काशीनगर सोसायटी के मुख्य मार्ग के नजदीक किया गया है।

कांग्रेस ने भावनगर सीट से मनहर पटेल को दिया टिकट

अहमदाबाद। कांग्रेस ने सौराष्ट्र की भावनगर लोकसभा सीट से मनहर पटेल को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस प्रवक्ता मनहर पटेल का पाटीदार समाज में अच्छा खासा वर्चस्व और किसानों की समस्याओं को आक्रामकता से उठाते रहे है। भावनगर सीट पर मनहर पटेल का मुकाबला भाजपा प्रत्याशी भारती शियाल से होगा। मनहर पटेल के साथ कांग्रेस अब तक गुजरात में 20 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। नामांकन दाखिल करने का गुरुवार को अंतिम दिन है और कांग्रेस के छह उम्मीदवारों की घोषणा बाकी है। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस ने शेष सीटों पर उम्मीदवारों को सीधे मेन्डेट दे दिए हैं और उन्हें 4 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने का आदेश दे दिया गया है। उत्तरी गुजरात की बनासकांठा सीट से परथी भटोल, साबरकांठा सीट से राजेन्द्रसिंह ठाकोर को पर्चा दाखिल करने को कह दिया है। मध्य गुजरात के खेडा सीट पर कालूसिंह डाभी, दक्षणि गुजरात की भरुच सीट पर पीडी वसावा 4 अप्रैल नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। हांलाकि सूरत लोकसभा सीट पर अशोक अधेवाडा के बजाए अन्य नाम चर्चा जारी है। गुजरात की ऊंझा, माणावदर, ध्रांगध्रा और जामनगर ग्रामीण सीट पर होनेवाले उपचुनाव के लिए भी कांग्रेस ने अब तक एक भी उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

फिर एक बार, मोदी सरकार

भाजपा सोसिएल मीडिया में अग्रसर 'मैं भी चौकीदार!

सूरत। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता भरत पंडया ने इलेकट्रोनिक मीड़िया की उपस्थिति में आज प्रदेश कार्यालय गांधीनगर श्री कमलम पर बताया की भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगमी लोकसभा चुनाव अंतर्गत प्रचार-प्रसार हेतु तैयार किए गए किट का प्रदर्शन किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश के के वरिष्ठ नेता एवं कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र भाई पटेल, प्रदेश प्रवक्ता भरत पंडया प्रदेश अग्रणी महेश भाई कसवाला और प्रदेश मीड़िया कन्वीनर प्रशान्त वाला उपर्-स्थत थे। पन्डया ने बताया था कि लोकसवा, लोक सम्पर्क एवं लोक जागृति के कार्यक्रमों द्वारा भाजपा जनता के बीच रहने में अग्रसर रहती है। जनसम्पर्क हो या लोकमन लोकसूचना के निमित भारत के मन की बात, मोदी के साथ कार्यक्रम हो या घर घर सम्पर्क अभियान कार्यक्रम हो या योजनाओं द्वारा लाभार्थी सम्पर्क या फिर कमल दीप कार्यक्रम हो या विधानसभा स: बाईक रैली, लोकसभा स: विजय संकल्प सम्मेलन हर कार्यक्रम में हमेशा भाजपा अग्रसर ही रहती है।

पैरु भाजपा अपने प्रत्याशियों को जाहेर करने में भी हमेशा अग्रसर रहती है। जबकि चुनाव के एक वर्ष पहले ही उम्मीदवारों की सूची जाहेर कर दूंगा। कावारा देने वाली कांग्रेस आज भी उम्मीदवारों का नाम जाहेर न कर सकी। इतना ही नहीं, समाचार माध्यमों के ,समाचारों के अनुसार कांग्रेस आज अपने प्रत्याशियों को व्यक्तिगत में डेन्ट बाटने पर मजबूर है। एक ही बैठक पर किसको कितना फार्म भरने को कहती है। उसे ये भी ज्ञान नहीं होता है भाजपा जनता के साथ जनता के बीच है उसकी तरह सोसियल मीडिया में भी फिर एक बार मोदी सरकार में भी हूं चौकीदार जैसे सकारात्मक अभियान के साथ-2 सात टेब्लो रथ का प्रस्थान कराया जिसमें केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी सिद्धि प्रेरित गीतों द्वारा प्रचार प्रसार में आगे है। उसी तरह भाजपा अपनी पत्रिकाओं द्वारा जनता को उसके प्रत्येक कार्यो का हिसाब देती है। जबकि 55 वर्ष के शासन में कांग्रेस ने जनता को हिसाब तक नहीं दिया। भरत पंडया ने प्रचार प्रसार हेतु तैयार की किट के सम्बन्ध में सूचना देते हुए बताया कि सुरेन्द्र काका के मार्गदर्शन में वर्षो से तैयार होने वाली भाजपा की प्रचार सामग्री किट में 51 से भी ज्यादा वास्तुओं का समावेश किया गया है। जिसमें महिलाओं के लिए लेडीज पर्स, पैंडल, बक्कल, कंघी, साड़ी पिन सहित बहुत सारी वस्तुओं है। युवाओं के लि पाकेट डायरी, टी शर्ट, रिस्ट बेल्ट सहित चीज वस्तुओं का समावेश है। गर्मी से बचने हेतु चश्मा, हाथ पंखा, टोपी जैसी वस्तुओं भी है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित भाई शाह के कट आउट एवं फेस मास्क, घर लगाने का भाजपा का ध्वज, स्टीकर पत्रिका तथा तोरण जैसी वस्तुए भी शामिल है। गुजरात के तमाम लोकसभा क्षेत्र में बुथ स: किट वितरण की जाएगी।

पास नेता दिनेश बांभणिया के खिलाफ 73 करोड़ की वेट चोरी की शिकायत

अहमदाबाद। पाटीदार आंदोलन के दौरान पास नेता हार्दिक पटेल के साथ अहम भूमिका निभाने वाले दिनेश बांभणिया के खिलाफ रु. 73.25 करोड़ की वेट चोरी की शिकायत राजकोट ए डिवीजन पुलिस थाने में दर्ज हुई है। राजकोट ए डिवीजन पुलिस थाने में वेट विभाग की ओर से दर्ज शिकायत के मुताबिक दिनेश बांभणिया ने राजकोट के न्यू जागनाथ मेइन रोड स्थित क्रेडिट कोर्नर में श्रीनाथजी कोटलिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी शुरू की थी।

जिसमें बांभणिया कपास की खरीद-बिक्री करते थे। श्रीनाथजी कोटलिक को वर्ष 2010 से 2014 के दौरान किए गए व्यापार में रु. 73.25 करोड़ का वेट भरना था। वेट का भुगतान नहीं किए जाने पर वेट विभाग ने कंपनी के डायरेक्टर दिनेश बांभणिया को नोटिस जारी कर हिसाब मांगा था।

सट्टेबाजी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पूर्व कोच गिरफ्तार

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पूर्व कोच तुषार अरोठे को कथित तौर पर आइपीएल मैच में सट्टा लगाने के लिए गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को पुलिस ने उसे जमानत प्रदान कर दी क्योंकि उसे जमानती अपराध में गिरफ्तार किया गया था। वडोदरा अपराध शाखा के उपायुक्त जयदीप सिंह जडेजा ने मंगलवार को बताया कि अरोठे और 18 अन्य को शहर की अपराध शाखा ने सोमवार रात दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच मोहाली में खेले गए मैच पर कथित तौर पर सट्टा लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

52 वर्षीय अरोठे और 18 अन्य को शहर के एक कैफे से गिरफ्तार किया गया था जहां वे सट्टा लगा रहे थे।

जम्मू और कश्मीर के माईग्रेट मतदाता को पोस्टल मतदान सुविधा

सूरत। बुधवार के भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जम्मू एवं कश्मीर राज्य के कश्मीरी माइग्रेट मतदाताओं हेतु मतदान की सुविधा हेतु विशेष प्रक्रिया सम्बन्धित विवरणी दी गयी है। जिसके अनुसार ऐसे माइग्रेट वोटर्स जैसे कि जम्मू कश्मीर के रेजिडेन्ट कमिश्नर द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र में जम्मू एवं कश्मीर राज्य के मतदाता हो किन्तु कश्मीर में अपनी विधान सभा मतविस्तार के बाहर रहते हो एवं दिल्ली, जम्म, उधमपुर के राहत कैम्पों में रह रहे हो या आस पास रहते हो या भारत में अन्य किसी जगह रह रहे हो ऐसे कश्मीरी माइग्रेट मतदाता के लिए जम्मू, दिल्ली, उधमपुर में उपलब्ध कराये गए पोलिंग बुथ पर स्वयं जाकर मतदान करने या पोस्टल वैलेट से मतदान करने की व्यवस्था चुनाव आयोग द्वारा की गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**